

Документ подписан простой электронной подписью  
Информация о владельце:  
ФИО: Наумова Наталия Александровна  
Должность: Ректор  
Дата подписания: 10.01.2025 11:43:46  
Уникальный программный ключ:  
6b5279da4e034bff679172803da5b7b559fc69e2

МИНИСТЕРСТВО ПРОСВЕЩЕНИЯ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ

Федеральное государственное автономное образовательное учреждение высшего образования  
"Государственный университет просвещения"

(Государственный университет просвещения)

УЧЕБНЫЙ ПЛАН

по программе бакалавриата



План одобрен Ученым советом

Государственного университета просвещения

Протокол № 06 от 18 апреля 2024г.

44.03.05

Направление подготовки 44.03.05 Педагогическое образование (с двумя профилями подготовки)  
Профиль: Русский язык и литература

Факультет: Русской филологии

|                            |          |
|----------------------------|----------|
| Квалификация               | Бакалавр |
| Форма обучения             | Очная    |
| Срок получения образования | 5л       |

|   |                                          |
|---|------------------------------------------|
| + | Типы задач профессиональной деятельности |
| + | педагогический                           |
| + | проектный                                |
| + | методический                             |
| + | организационно-управленческий            |
| + | культурно-просветительский               |
| + | сопровождения                            |

Год начала подготовки (по учебному плану)

2024

Образовательный стандарт (ФГОС)

№ 125 от 22.02.2018

СОГЛАСОВАНО

Начальник управления организации и контроля качества  
образовательной деятельности

Декан факультета

/ М.А. Миненкова/  
/ О.В. Шаталова/

[illegible]

План Учебный план бакалавриата '+44.03.05 ПО Русский язык и литература очная.plx', код направления 44.03.05, год начала подготовки 2024

| Итого по региону | Район | Наименование | Регион (по 31) |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 кв |  | Итого за 4 кв |  | 1 кв |  | 2 кв |  | 3 кв |  | 4 |  |
|------------------|-------|--------------|----------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|---|--|
|------------------|-------|--------------|----------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|---------------|--|------|--|------|--|------|--|---|--|